



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 224] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 11, 1975/श्रावण 20, 1897  
No. 224] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 11, 1975/SRAVANA 20, 1897

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकें।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th August, 1975

G.S.R. 443(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Defence and Internal Security of India Act, 1971 (42 of 1971), and of all other powers enabling the Central Government in this behalf, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Defence and Internal Security of India (Second Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Amendment of rule 48.**—In rule 48 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971—

(a) sub-rule (1A) shall be renumbered as sub-rule (1B) thereof, and before sub-rule (1B) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(1A) Where an order under sub-rule (1) has been made, no person shall circulate or cause to be circulated copies of any document published or made in contravention of the order or any extract or translation thereof.”

(b) in sub-rule (3), for the words "any order", the words, brackets, figure and letter "any provision of sub-rule (1A) or any order" shall be substituted.

[No. II/16012/3/75-S&P(D, II)]

C. V. NARASIMHAN, Jt. Secy.

## गृह मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1975

ता० का० नि० 443(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारत रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 (1971 का 42) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों, तथा उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और आरम्भ—(1) इन नियमों का नाम भारत रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1975 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवक्त होंगे ।

2. नियम 48 का संशोधन—भारत रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 48 में—

(क) उपनियम (1क) उसके उपनियम (1ख) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा, और इस प्रकार पुनर्संख्यांकित उपनियम<sup>7</sup> (1ख) के पूर्व, निम्नलिखित [ उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(1क) जहां उपनियम (1) के अधीन कोई आदेश किया गया हो वहां कोई भी व्यक्ति ऐसे आदेश के उल्लंघन में प्रकाशित या विरचित किसी दस्तावेज की प्रतियों का, या उसके किसी सार या अनुवाद का, परिचालन नहीं करेगा या परिचालन नहीं कराएगा ।”

(ख) उपनियम (3) में, “इस नियम के अधीन दिए गए किसी आदेश” शब्दों के स्थान पर, “उपनियम (1क) के किसी उपबन्ध या इस नियम के अधीन दिए गए किसी आदेश” शब्द, कोष्ठक, अक्षर और अंक रखे जाएंगे ।

[सं० II/16012/3/75—एस एंड पी (डी-II)]

सी० बी० नरसिम्हन, संयुक्त सचिव ।